श्री अरविन्द सक्सेना

श्री अरविन्द सक्सेना ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग का अध्ययन किया और 1978 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली से प्रणाली एवं प्रबंधन में एम.टेक. किया । अध्ययन कार्यक्रमों के दौरान इन्होंने हिंदुस्तान फोटो फिल्म्स, ऊटकमंड, तमिलनाडु, आपरेशंस रिसर्च ग्रुप, साराभाई ग्रुप कम्पनी बड़ौदा, गुजरात और इंजीनियरिंग प्रोजेक्टस (इण्डिया) लि. नई दिल्ली में कार्य किया जिसमें बड़ी और जटिल परियोजनाओं के प्रबंधन और नियंत्रण में अनुभव प्राप्त किया । सिविल सेवाओं के लिए अपना चयन होने पर, इन्होंने 1978 में भारतीय डाक सेवा में कार्यभार ग्रहण किया । इन्होंने डाक सेवाओं के डिवीजनल प्रमुख के रूप में भरतपुर और कोटा में कार्य किया जिसमें राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, कोटा, झालावाड़ और बारां जिला शामिल थे । वे 1982 में विशेष कार्य अधिकारी, IX वे एशियाई खेलों के और 7वां गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन का कार्यभार ग्रहण करने के लिए दिल्ली आए । इन कार्यों को निपटाने के बाद इन्होंने डाक टिकट संग्रह अधिकारी, डाक निदेशालय नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाला और इसके पश्चात टिकट और मुहर आधुनिकीकरण फैक्टरी, अलीगढ़ में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर कार्य किया । प्रतिष्ठित, डाक एवं तार प्रशिक्षण केन्द्र-5, सहारनपुर,उ.प्र. के प्रिंसिपल के पद पर चयनित होने से पहले इन्हें महाराष्ट्र, गुजरात और मध्यप्रदेश राज्यों में डाक प्रबंधन का कार्य देखने के लिए निदेशक, डाक प्लानिंग आपरेशंस, बम्बई के पद पर तैनात किया गया । अपने इस कार्य के दौरान उन्होंने डाक सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए विशेषज्ञ समिति के साथ कार्य किया । इन्होंने इस समिति के लिए प्रारूप पत्र तैयार किया जिसमें डाक सेवाओं के लिए उपभोक्ता और कर्मचारी सर्वेक्षण पर अभी तक की सबसे बड़ी रिपोर्ट और भारत में डाक कार्यों में प्रौद्योगिकी और आधुनिक प्रबंधन संव्यवहारों के आरंभ पर विशेषज्ञों से इनपुट शामिल है । इन्होंने मानचेस्टर यूनिवर्सिटी, यू.के. में प्रशिक्षकों के लिए एक प्रोग्राम में भी भाग लिया ।

इन्होंने 1988 में कैबिनेट सचिवालय की रिसर्च एंड एनालिसिस विंग, में कार्यभार संभाला और पड़ोसी देशों में सामरिक विकास के अध्ययन में विशेषज्ञता हासिल की । इन्होंने पांच देशों और जम्मू और कश्मीर में सेवा प्रदान की । इन्होंने चीन, पाकिस्तान और अन्य क्षेत्रीय देशों के साथ-साथ आर्थिक, सैनिक, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के मुद्दों के विकास में डोमेन विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए व्यापक रूप से दौरा किया । इन्होंने 2014 में प्रभारी विशेष सचिव विमानन अनुसंधान केन्द्र के पद का कार्यभार संभाला जहां मई, 2015 में पद त्याग करने तक कार्य किया ।

श्री अरविन्द सक्सेना ने 8 मई, 2015 को सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग का कार्यभार संभाला ।